



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 345] नई दिल्ली, बुधवार, जून 21, 1990/ज्येष्ठ 31, 1912

No. 345] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 21, 1990/JYAISTHA 31, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

उत्स-भूतल परिवहन मंत्रालय

(नौवहन पक्ष)

आदेश

नई दिल्ली, 20 जून, 1990

का.आ. 501(अ) :—वाणिज्यिक नौवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 7 की
उप धारा (1) द्वारा पदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा यह निर्देश देती है कि इसके
द्वारा धारा 356 की उपधारा (1) के अंतर्गत प्रयोग की जाने वाली शक्तियों तट-रक्षक के किसी भी
अधिकारी द्वारा भी जिसे विनिरिष्ट किया जाए प्रयोग की जा सकती है।

व्याख्या : इस अधिसूचना के उद्देश्य से "अधिकारी" और "नट-रक्षक" अभिव्यक्ति का अर्थ क्रमशः वही होगा जो नट-रक्षक अधिनियम 1978 (1978 का 30) की धारा 2 में दिया गया है।

[सं० एन एन-13020/7/89-एम ए]

एस० एस० कर्कड़ संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

ORDER

New Delhi, the 20th June, 1990

S.O. 501(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 7 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby directs that the powers exercisable by it under sub-section (1) of section 356K of the said Act shall be exercisable also by the Director General of Shipping.

[No. SR-13020/7/89-MA]

S. N. KAKAR, Jt. Secy.